विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 11 से 17 दिसंबर 2025 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 30 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

जिस घर में पत्नी पति का सम्मान करती है, पति की बात मानती है, वहां आदर्श संस्कारी बच्चे होते हैं, वही महिला लक्ष्मी बनकर पूरे परिवार को संवारने का काम करती है. लेकिन आधुनिकता के दौर में जहां महिलाएं लक्ष्मी की बजाय कुलक्ष्मी रहती हैं, उस घर में सुख, स्वास्थ्य के साथ ही समृद्धि भी प्रभावित होती है. लक्ष्मी मिलना भी परम भाग्य होता है.

बैंकुठ एकादशी 30 दिसंबर को,व्यंकटेशधाम में उमड़ेंगे भक्त

विदर्भ स्वाभिमान,10 दिसंबर

अमरावती- शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में सुख्यात तथा लाखों भाविकों के आस्थास्थल व्यंकटेशधाम में 30 दिसंबर को बैकुंठ एकादशी भव्य पैमाने पर मनाई जाएगी. जयस्तंभ चौक के करीब स्थिति मंदिर में सुबह 6 से 2 बजे तक तथा शाम 4 से 10 बजे रात्रि तक भक्त बैकुंठ द्वार से गुजरने के साथ ही भगवान बालाजी के दर्शन का पुण्यलाभ प्राप्त कर सकेंगे. उत्सव की शुरूवात सुबह 5 बजे पूजा-अर्चना से की जाएगी. सुबह 6 बजे पालखी बैकुंठ द्वार से निकलकर खत्री कम्पाउंड, जयस्तंभ चौक, बेस्ट सिनेमा मार्ग से होकर वापस मंदिर में आएगी.

विदर्भ सहित कई राज्यों में शीतलहर

दिल्ली, उत्तर प्रदेश में जनजीवन प्रभावित, 13 दिसंबर से बढ़ सकता है शीतलहर का प्रकोप

नई दिल्ली- दिसंबर का महीना लगते ही देश के ज्यादातर हिस्से शीतलहर की चपेट में आ गए हैं. ठंड तेजी से पैर पसार रही है. कई राज्यों में आज भी शीतलहर का अलर्ट जारी किया गया है. मौसम विभाग के अनुसार, मध्य और उससे सटे पूर्वी भारत में शीतलहर की स्थिति जारी रहेगी. उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में 12 दिसंबर तक शीतलहर दस्तक दे सकती है. अमरावती सहित विदर्भ में भी ठंड की तीव्रता बढ़ गई है. न्यूनतम तापमान में 9.6 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई है. अमरावती सहित विदर्भ में भी शीतलहर का अनुभव किया जा रहा है. पूर्वानमान के अनुसार, हिमाचल प्रदेश, ओड़िशा, पूर्वी उत्तर प्रदेश, असम और मणिपुर में सुबह के समय घना

कोहरा छाए रहने की संभावना है. इसके अलावा पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, पूर्वी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा समेत उत्तर पूर्वी राज्यों में शीतलहर का अलर्ट जारी किया गया है.13 दिसंबर से देश में ठंड का कहर और बढ़ सकता है. पश्चिमी हिमालय से सटे राज्यों में हल्की बारिश के साथ बर्फबारी से तापमान में तेज गिरावट होने की संभावना है.

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी मौसम शुष्क बना हुआ है, जिससे ठंड काफी ज्यादा बढ़ गई है. सूखी ठंड और पाला पड़ने से पहाड़ी क्षेत्रों में लोग काफी परेशान हैं. 13 दिसंबर के बाद पहाड़ी राज्यों में बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है.पहाड़ी राज्यों में शीतलहर का असर दिल्ली एनसीआर पर भी देखने को मिल सकता है. सर्द हवाओं के कारण दिल्ली के कई इलाकों में ठंड का एहसास बढ़ने का अनुमान है. राजधानी हल्के धुंध और कोहरे के साथ न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा.उत्तर प्रदेश के पूर्वी हिस्से में शीतलहर के कारण ठंड अचानक से बढ़ गई है. तराई बेल्ट में सुबह की शुरुआत घने कोहरे के साथ हुई है. वहीं, शीतलहर के कारण ठिठुरन और गलन महसूस हो सकती है. ठंड की तीव्रता बढ़ने के कारण जनजीवन भी तेजी से प्रभावित हो रहा है. लोग सोकर 8 बजे उठ रहे हैं.

किसानों के मुद्दे पर राज्य विधानमंडल में भडका विपक्ष

मुंबई/नागपुर- राज्य विधानमंडल के सत्र के दौरान सरकार के खिलाफ जमकर विपक्ष द्वारा किसानों के खिलाफ नारेबाजी की गई. इस दौरान विदायकों के हाथों में सोयाबीन और गले में कपास से बनी मालाएं थी और किसानों के मुद्दे पर जमकर नारेबाजी की गई. मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस सरकार को धोखेबाज सरकार बताते हुए कहा कि सरकार द्वारा किसानों को घोषित पैकेज धोखा है और सरकार ने किसानों को भगवान भरोसे छोड़ दिया है.

महाराष्ट्र के सप्ताह भर का विधानमंडल सत्र शुरू होने के पहले दिन से ही विपक्षी विधायक सरकार के खिलाफ जमकर बयानबाजी करने के अलावा किसानों के मामले में

आक्रामक हैं. उनके मुताबिक सरकार ने किसानों के साथ धोखा किया है. तीन दिनों से इसी विषय को लेकर विधानमंडल के दोनों ही सदनों में विपक्ष द्वारा सरकार को घेरने का काम किया जा रहा है. मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने गुटखा बंदी कानून में सुधार करने का भरोसा दिलाया है. विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान उन्होंने यह बात कही. जलसंधारण विभाग में भ्रष्टाचार की विशेष जांच की घोषणा एकनाथ शिंदे ने की.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

सही मामले में पीड़ितों को न्याय का एहसास होना चाहिए

भारत में सबसे अधिक शिकायतें पुलिस और राजस्व विभाग से जुड़ी रहती हैं. इस मामले में पुलिस विभाग से अन्याय पीड़ितों की संख्या अधिक होती है. इसे गंभीरता से लेते हुए सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देश पर अमरावती विभाग में भी विभागीय पुलिस शिकायत प्राधिकरण का गठन किया गया है. इस प्राधिकरण द्वारा जनशिकायतों की सुनवाई की जाएगी और उसका निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा. निश्चित तौर पर यह सराहनीय पहल कहनी चाहिए. आमतौर पर पुलिस को लेकर अक्सर तकलीफ देने की शिकायतें की जाती हैं. उम्मीद की जानी चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट को अभिप्रेत कार्य यह प्राधिकरण निश्चित तौर पर करते हुए सहयोग देने का काम करेगा.

पुलिस विभाग द्वारा यदि अधिकारों का दुरुपयोग या किसी प्रकार का दुव्यवहार किया जाता है, तो नागरिकों को स्थानीय स्तर पर निष्पक्ष जाँच के लिए मंच उपलब्ध कराने हेतु विभागीय पुलिस शिकायत प्राधिकरण की स्थापना की गई है. सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार महाराष्ट्र सरकार ने यह प्राधिकरण स्थापित किया है. इस प्राधिकरण की अध्यक्ष निवृत्त प्रमख जिला एवं सत्र न्यायाधीश उषा ठाकरे के साथ ही पी.टी.पाटील सदस्य तथा पंकज निखार नागरिक सदस्य के रूप में कार्यरत हैं.नागरिकों को यदि पलिस विभाग के विरुद्ध कोई शिकायत है तो वे यहाँ शिकायत दर्ज कर सकते हैं. इसका कार्यालय विभागीय पुलिस शिकायत प्राधिकरण विशेष आईजीपी बंगला से शासकीय विश्राम गृह रोड,गलमोहर अपार्टमेंट के पास है, पीड़ितों से यहां पर अपनी शिकायत देने का आग्रह किया गया है.सर्वोच्च न्यायालय (प्रकाश सिंह मामला 2006) के आदेशानुसार अमरावती में यह प्राधिकरण स्थापित किया गया है. इसका मुख्य उद्देश्य पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा किए गए अधिकारों के दुरुपयोग या दुव्यवहार की शिकायतों की निष्पक्ष जाँच,यह प्राधिकरण वरिष्ठ पलिस निरीक्षक तक के पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध शिकायतों की जाँच करने में सक्षम है.जबकि उपपुलिस अधीक्षक या उससे ऊपर के अधिकारियों के विरुद्ध शिकायतें राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण (मुंबई) को भेजी जाती हैं. अदालत के निर्देश पर यह पहल की गई है, इसकी सराहना की जानी चाहिए.किन मामलों की जाँच प्राधिकरण कर सकता है,पुलिस हिरासत में मृत्यु या गंभीर चोट,बलात्कार या बलात्कार का प्रयास,निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना की गई गिरफ्तारी,भ्रष्टाचार,हप्ता वसूली,जमीन या घर पर अवैध कब्जा जैसे मामले में अगर न्याय नहीं मिलता है तो निश्चित तौर पर संबंधितों को संबंधितों को प्राधिकरण से न्याय मिल सकता है. अन्य गंभीर कानूनी उल्लंघन या अधिकारों का दुरुपयोग करने पर निश्चित तौर पर इस पहल से अंकुशलगने में मदद मिलेगी. इन सभी गंभीर मामलों की जाँच करने का अधिकार विभागीय प्राधिकरण को है. शिकायत लिखित रूप में मराठी, हिंदी या अंग्रेज़ी में साधारण कागज़ पर की जा सकती है. प्राधिकरण द्वारा लोगों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उन्हें न्याय दिलाकर निश्चित तौर पर अपनी कार्यप्रणाली की छाप छोड़ने का काम किया जाएगा, इस तरह का विश्वास है.

नागपुर में सरकार का एहसास हो

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

महाराष्ट्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो गया है. उम्मीद की जानी चाहिए कि यहां पर इस दौरान सरकार द्वारा इसे कल्याणकारी फैसले लिए जाएंगे कि नागपुर का सत्र भले ही सप्ताह भर का है लेकिन इसमें होने वाला काम वर्षों तक याद किया जाएगा. 14 दिसंबर तक नागपुर में होगा. यह फैसला विधान भवन में हुई राज्य विधानसभा के दोनों सदनों की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में लिया गया. उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार और विपक्ष के संयुक्त प्रयासों से यह औपचारिकता साबित नहीं हो, बल्कि इसमें कई महत्वपूर्ण कामकाज हो. मीटिंग में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और अजित पवार मौजूद थे.अमरावती जिले सहित राज्य की विभिन्न समस्याओं पर विपक्ष आक्रामक रहने की संभावना है. शीतकालीन सत्र आमतौर पर महाराष्ट्र की दूसरी राजधानी नागपुर में होता है.नागपुर में सोमवार से शुरू महाराष्ट्र विधानमंडल का शीतकालीन सत्र जहां सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों में चल रहे अंतर्विरोधों के बीच शुरू हो रहा है, वहीं पहली बार कोई सत्र दोनों सदनों में नेता प्रतिपक्ष के बिना ही शुरू होने जा रहा है.

चाय के बहिष्कार के साथ ही विपक्ष ने आक्रामक का संकेत दिया है, वहीं मुख्यमंत्री ने सदन में बेहतरीन जनकल्याणकारी फैसले का संकेत मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस और सहयोगियों ने दिया था. तीन दिनों में जिस तरह से कामकाज हो रहा है, उसके चलते यह उम्मीद की जानी चाहिए कि सप्ताह में बेहतरीन कामकाज होगा. आठ से 14 दिसंबर तक सिर्फ एक सप्ताह चलने वाला यह एक ऐसा सत्र है, जिसके शुरू होने के समय विधान सभा एवं विधान परिषद दोनों में कोई नेता प्रतिपक्ष नहीं होगा. पिछले विधानसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र के विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाडी की सीटें इतनी कम आईं कि यह अपना नेता विरोध ी दल भी नहीं चुन सका. कांग्रेसी नेता वडेट्टीवार ने सरकार को लोकतंत्र विरोधी बताया है. उनके मुताबिक नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति को लेकर भी गहमागहमी की संभावना है. चुनाव में जनता ने विपक्ष को इस तरह झटका दिया कि विपक्षी नेता बनाने के लिए जितना न्यूनतम विधायक होना चाहिए, उतने विधायक भी इनके पास नहीं है. मुख्यमंत्री के मुताबिक विपक्षी नेता का चयन यह सरकार नहीं बल्कि सभापति और सदन का काम है. इसमें सरकार का लेना-देना नहीं है.

विधानसभा में सर्वाधिक 20 सीटें शिवसेना (यूबीटी) की एवं इसके बाद 16 सीटें कांग्रेस के पास हैं. राकांपा (शरदचंद्र पवार) के पास सिर्फ 10 सीटें हैं. विपक्ष में सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते शिवसेना (यूबीटी) ने नेता विरोधी दल के पद पर अपना दावा किया है. लेकिन विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने अभी इस पर कोई फैसला नहीं किया है.विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष रहे शिवसेना (यूबीटी) के अंबादास दानवे का कार्यकाल मानसून सत्र के बाद समाप्त हो चुका है. उच्च सदन में इस पद के लिए कांग्रेस ने दावा किया है. लेकिन अभी इस पर भी फैसला होना बाकी है.संख्या बल की दृष्टि से सरकार तो मजबूत है, लेकिन इन दिनों चल रहे स्थानीय निकाय चुनावों के कारण सरकार के घटक दलों में ही आपस में तनातनी का माहौल देखने के मिल रहा है, क्योंकि स्थानीय निकायों में सभी दल अपने-अपने कार्यकर्ताओं को टिकट देकर उन्हें खुश करना चाहते हैं. सरकार में भी कुछ मतभेद के बाद भी यही उम्मीद की जानी चाहिए कि यह सत्र बेहतरीन तरीके से सम्पन्न होकर जनता के हितों को पूरी तरह से पूरा करे और सभी को एहसास हो कि सरकार आए हैं.

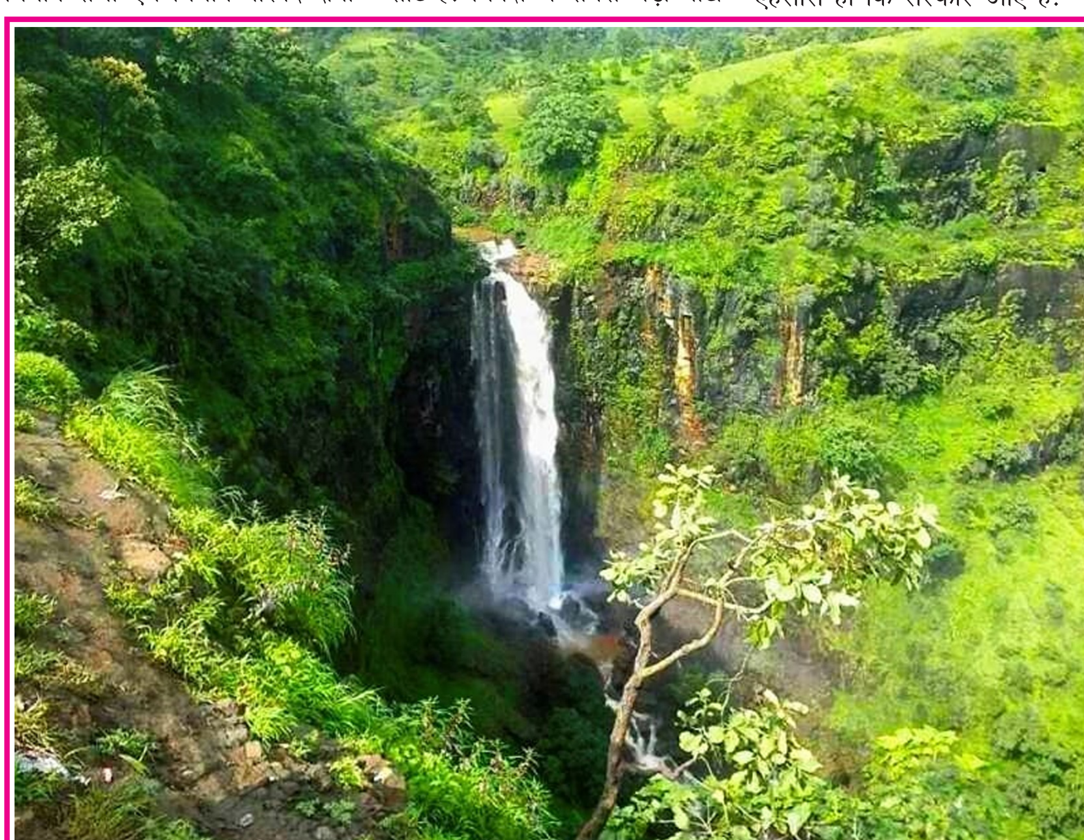

चिखलदरा- जिले की शान, विदर्भ के नंदनवन का मनोहारी यह नजारा किसी को भी बरबस आकर्षित करता है. इस क्षेत्र में हर साल लाखों की संख्या में पर्यटक आकर नगर की आर्थिक समृद्धि बढ़ाते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010 43881

यादों के झरोखे में महान संगीतकार रवीन्द्र जैन

अमरावती- इसे प्रभु श्रीराम की महिमा कहा जाए अथवा अन्य कुछ लेकिन सड़कों पर कर्फ्यू जैसी स्थिति लाने वाली रामानंद सागर द्वारा अभिनीत रामायण धारावाहिक के हर पात्र को उन्हों ने संवार दिया. उसको संगीत देकर संगीतकार रविंद्र जैन जहां अमर हो गए हैं, वहीं दूसरी ओर इसके हर कलाकार का जीवन भी संवर गया. उस समय संगीतकार रवीन्द्र जैन का साक्षात्कार लेने का सौभाग्य मिला था.साथ में समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया. आज आज रविंद्र जैन भले इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन संगीत की दुनिया के बेताज बादशाह के रूप में लोगों के दिलों में उनके प्रति उतना ही प्रेम है.यह प्रभु श्रीराम की महिमा कहना गलत नहीं होगा.

कलेक्टर सिखा रहे हैं बच्चों को अच्छी आदतें

पथानामथिट्टा- केरल के पथानामथिट्टी के बच्चे किताबी ज्ञान से हटकर भी कुछ अच्छा सीख रहे हैं. इस पहल के लिए जिलाधिकारी ने स्वयं पहल की है. इसके चलते अगर सकारात्मक कार्य किया जाता है तो इसका क्या लाभ होता है, यह सामने आता है. कलेक्टर प्रेम कृष्णन एस ने जब यूरोप का दौरा किया तो उन्हें लगा कि भारतीय बच्चों को बुनियादी अच्छी आदतें नहीं लगाई जाती हैं. सड़क कैसे पार करें, कूड़ा कहां फेंके, हार्न कब नहीं बजाना चाहिए. इसी सोच से प्रोजेक्टस रूट्स का जन्म हुआ. शुरूवात एक विद्यालय से की और बाद में इसमें कई विद्यालय जुड़ गए. लोगों को भी यह प्रयास बेहतरीन लगा.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN/2010/43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

मुस्कराने से भागती हैं कई बीमारियां

विदर्भ स्वाभिमान, 10 दिसंबर

अमरावती- आज के तनावपूर्ण, तेज़ी से बदलते समय में मानसिक स्वास्थ्य का महत्व अत्यधिक बढ़ गया है- ऐसे दौर में आदर्श मानसोपचार तज्ञ समाज के लिए एक मार्गदर्शक, सहानुभूतिपूर्ण मित्र तथा सक्षम चिकित्सक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. वह न केवल रोगी की समस्या का इलाज करते हैं, बल्कि जीवन जीने की सही दिशा भी देते हैं. अमरावती जिला ही नहीं बल्कि मध्य प्रदेश से मरीज उनके पास पहुंचते हैं और ठीक होकर आशिर्वाद देकर जाते हैं. 7 दिसंबर को उनके जन्मदिन पर हजारों की संख्या में चहेतों ने अस्पताल, घर पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी. डॉ.लक्ष्मीकांत राठी ने भी सभी के प्रति आत्मीय कृतज्ञता व्यक्त करते हुए लोगों के इसी प्रेम को अपने जीवन की सबसे बड़ी कमाई बताई.

अपने जन्मदिन को सदैव सेवादिवस बनाने वाले डॉ. लक्ष्मीकांत राठी के मुताबिक मुस्कराहट ही कई बीमारियों को भगाने की ताकत रखती है. ऐसे में यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जीवन में हम स्वयं भी खुश रहें और अन्यों को भी अपने स्तर पर खुश रखने का प्रयास करें. डॉ. राठी जितने बेहतरीन मानसोपचार विशेषज्ञ, ब्रेन स्पेशालिस्ट हैं, उससे भी बेहतरीन मानवता सेवी व्यक्ति हैं. लायन्स के माध्यम से उन्हों ने शहर के लिए बड़ी संख्या में प्रयास किया है. वे जहां सेवा से ओतप्रोत हैं, वहीं दूसरी ओर अपने कर्मचारियों के लिए सदा उदार रहने वाले व्यक्ति हैं.

आदर्श मानसोपचार तज्ञ के रूप में रोगी की भावनाओं को समझते हुए उसकी समस्या को अपनेपन के साथ सुनते है. वह बिना किसी निर्णय के उसकी स्थिति

का प्रयास करते हैं. कहते हैं कि सुनना ही चिकित्सा की पहली सीढ़ी है. मनोचिकित्सक धैर्यपूर्वक बातों को सुनकर समस्या की जड़ तक पहुँचता है और सही समाधान खोजते हुए आज तक हजारों मरीजों को बेहतरीन किया है. रोगी द्वारा बताई गई बातें अत्यंत व्यक्तिगत और संवेदनशील होती हैं. आदर्श तज्ञ के रूप में वे पूरी गोपनीयता रखते हुए मरीजों को प्रोत्साहन देने का काम करते हैं. उत्तम मानसोपचार तज्ञ के रूप में वे वैज्ञानिक विधियों, नवीन शोध और आधुनिक तकनीकों से अवगत हैं और इसके मुताबिक इलाज करते हैं.रोगी को आत्मबल देना, उसकी सोच बदलना और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण तैयार करना मानसोपचार तज्ञ का मूल उद्देश्य होता है.डॉ. राठी मरीजों को सदैव आत्मबल प्रदान करते हैं और हिम्मत बंधाते हैं. हजारों ऐसे मरीज हैं, जो उन्हें देवता मानते हैं. गरीब मरीजों की मदद में भी सदा आगे रहते हैं. अपने पेशे में सदा नैतिक मूल्यों का पालन करते हुए चिकित्सक से अधिक एक सच्चा इंसान बनकर सेवा करते हैं.लोगों के प्रेम को उन्हों ने अपनी सबसे बड़ी कमाई बताते हुए सभी के प्रति दिल से आत्मीय आभार जताया.

विदर्भ स्वाभिमान

आवश्यक नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112,100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444
साइबर अपराध	1930

मुनियों का नैमिशारण्य लौटकर सूत की स्तुति करना

गतांक से जारी-श्री नारायण के आत्म मूल श्रीवत्स का वक्षस्थल नाना स्थावर जंगमात्मक जगन्नाथ का प्रधानाश्रय है .ध्यानाध्येय अचिंत्य आपके व्दय पद धर्म स्वरूप हैं. हे सानंद हरि तरिगोंड शेषकुधराध्यक्ष का मैं सदा भजन करती हूँ.

तरिगोंड नृसिंह -श्री रमणी मनोहर का शेषशयन का सर्व शत्रु संहारी वीर का नख शिख हत राक्षस संहारी का सहस्त्रार सरोज हंस का हिरण्य कश्यप दैत्य कुमार पालक दयालु तरिगों ड नृसिंह का बड़ी इच्छा से मैं भजन करती हूँ.

आदि लक्ष्मी-कलश पयोनिधि धरती पर की फसलों का मूलाधार जलरुहनाभ वक्ष पर विलास से विराजमान उज्जवल शुभ्र जल में वास करनेवाली विधुत लता समान हे सिरि सदा मेरे मन में बसो. हे सिरि मोक्ष पद पर विराजित आपका स्मरण सदा में मन से करती हूँ.विलसित मौक्तिक प्रभाओं में कांतिमय सितोत्पल मालिका समुज्ज्वल शोभित कनक- विधुत कांति स चमकनेवाले शरीर से विभूषित सललित वृत्त में विकच चंपक मालिकाओं से शोभित आदि लक्ष्मी को मोक्ष सिध्दि के लिए मैं बार - बार उपासना करती हूँ.

गुरू विनायक वाणी कवींद्रादि

नित्य भास्वध्दक्ति से सर्वज्ञ सदगुरू की निर्वाण प्रद विनायक स्वामी की वाणी की मैं पूजा करती हूँ. गीर्वाणांध्र कवियों का स्मरण करके वाक्शुद्धि के लिए विव्दत पूर्वाचार्यों के पाद पंकजों की भी मैं पूजा करती हूँ.

तरिगोंड नृहरि (संबोधन)

हे पंकज हित शशि नेत्रा कलंकरहिता मोक्षदक्ष लक्ष्मी रमणा शंकर विधि सन्नुत पद पंकज तरिगोंड नृहरि पापविदारी.

कवयित्री की विनती-इस रूप में इष्टदेवताओं का स्वरण कवयित्री ने मन में ही करके उनकी सेवा की. श्री वेंकटाद्रि माहात्म्य को वराह पुराण से ग्रहण करके तीस अध्यायों को पहले के तीन आवासों में रचकर मैं ने उस वराह स्वामी को ही समर्पित किया. तदुपरांत भविष्योत्तर पुराण से श्रीनिवास की लीलाओं को संग्रह करके धरती पर जनों को बताने तरिगोंड नृसिंह की कृपा से पद्य के रूप में रचा है. उसका कथा- क्रम कैसा है हे विव्दज्जन मुझ पर दया करके उसके बारे में सुनिए.श्रीकर

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

नैमिशरण्य के शिष्ट और सभ्दक्त मुनियों ने सूत से अनन्य भक्ति से परमाभ्दुत वराह पुराण को सुनने के बाद सूत की ओर फिर देखते हुए पूछा - हे सूत अत्यभ्दुत वेंकटशैल किस युग से अत्यंत प्रशंसित रहा है, उसके बारे में बताइए. तब सूत ने जैसे आपने मुझसे पूछा जनक के शतानंद से पूछने पर शतानंद से पूछने पर शतानंद के व्दारा जनकको बताये वेंकटशैल के पूर्वे तिहास को मैं आपको बताऊँगा.आगे सूत ने बताया. हे सुनिए मुनिवर्य विश्वास के साथ मैं बता सकता हूँ कि महान त्रेतायुग में निर्मल शांत स्वरूप जनक मिथिला राज्य पर अत्यंत सुपालन कर रहे थे.वे अपने भाई कुश ध्वज की पुत्रियों को तथा अपनी पुत्रियों के लिए यथायोग्य वरों की खोज कर रहे थे. उन्हें चिंता थी कि इनके योग्य वर धरती पर कहाँ मिलें गे.चारों पुत्रियों को चार नरनाथ सुत एक ही परिवार में अगर प्राप्त हों गे तो बहुत आनंद का विषय होगा. ऐसे सुतों को अपनी कन्याओं को देना आनंद का विषय है.अंदर ही अंदर इस रूप में जनक सोच रहे थे.

शतानंद मुनि का पधारना-जनक के इस रूप में सोचते समय अचानक वहाँ शतानंद महामुनि का आगमन हुआ. वे सदा संयमी और सानंद रहनेवाले हैं.शतानंद के आगमन को देखकर जनक ने विनय के साथ अपने सिंहासन से उठकर प्रणाम करके उन्हें अर्घ्य आदि से उनकी पूजा की.जनक की पूजा से शतानंद प्रसन्न होकर उन्हें बैठने की आज्ञा दी. तब उन्होंने जनक की चिंता को भांप कर जनक से इस रूप में कहा. हे मानवधीशा सीता मांडविकी उर्मिला और श्रुतकीर्ति के विवाह के प्रयत्न कीजिए. उनके लिए योग्य पतियों को ढूँढ़िए.

जनक और शतकानंद का संभाषण-मुनि के इस रूप में कहने से मिथिलेश जनक ने इस रूप में कहा. हे संयमीश्वर मैं सवन करने के लिए धरती को जोतते समय तब अत्यभ्दुत से पृथ्वी से यह सीता पैदा हुई है.वह अयोनिजा और लोक माता है.ऐसा मुझे लगा य ऐसा पृथ्वी तनूजा का विवाह किसी मानव से करना क्या उचित है सीता के चिह्नों को देखने से लगता है कि वह श्री रमादेवी का अंश है. ऐसी सति को हरि अंश रखनेवाले ही उचित वर हैं. हरि समान पति ही सीता के लिए चाहिए. ऐसा पति इस धरती में कहाँ है अगर हरि के पूर्णां श से इस धरती पर कोई पैदा हुआ है तो तीनों लोकों में प्रचलित मेरे मंदिर में रखे हुए शिव धनुष को तोड़ना चाहिए. तब उसे मैं हरि मानूँगा . ऐसी परिक्षा लेने के बाद ही मैं सीता का विवाह करना चाहूँगा .शंकर की चाप को अभ्दुत ढंग से तोड़नेवाले को ही मैं सीता के साथ विवाह कराऊँगा . हे महानुभाव ऐसा कोई इस धरती पर पैदा हुआ है क्या जनक की इन बातों को सुनकर शतानंद ने इस रूप में कहा. सभी का जीवन मंगलमय करें प्रभु. ज़य गोविंदा

शेष अगले अंक में

सुंदर घर बेचना है

अकोली रोड के पुरूषोत्तम नगर में बेहतरीन लोकेशन स्थित स्वतंत्र, सामने हनुमान, शिव मंदिर तथा मनपा बगीचा के सामने स्थित घर बेचना है. निर्माण 550 फुट. नीचे दो रूम, किचन तथा सामने जगह. ऊपर एक रूम और स्वतंत्र टायलेट व शौचालय. बेहतरीन लोकेशन.लेने के इच्छुक ही सीधे संपर्क करें.

कुल प्लॉट 750 स्केअर फुट, साईज 40 बाय 25

9423426199
8855019189

दस साल बाद हुआ बदलापुर नप चुनाव

ठाणे-लगभग 10 साल बाद, मंगलवार को बदलापुर म्युनिसिपल काउंसिल के चुनाव हुए, जिसमें पूरे शहर के लोगों ने जोश दिखाया। शाम करीब 5:30 बजे तक, 60 फीसदी से ज़्यादा वोटिंग हो चुकी थी, और अधिकारियों का अनुमान था कि आखिरी वोटिंग लगभग 60 तक पहुँच जाएगी जो 2015 के सिविक चुनावों के दौरान दर्ज 56 फीसदी से ज़्यादा है। इस साल, 49 सदस्यों वाली काउंसिल में से 44 सीटों के लिए चुनाव हुए, जिसमें छह सीटों को छोड़कर, काउंसिल प्रेसिडेंट पद के लिए डायरेक्ट चुनाव भी शामिल है. रिटर्निंग ऑफिसर के अनुसार, बाकी छह सीटों के लिए 20 को को वोटिंग होगी, और सभी सीटों के नतीजे 21 दिसंबर को घोषित किए जाएँगे.पूरे दिन, कई पोलिंग जगहों पर शिवसेना और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच कई झड़पें हुईं, जिसके कारण एक से ज़्यादा जगहों पर पुलिस को दखल देना पड़ा. गांधी चौक पर, एख्र कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि शिवसेना सदस्यों ने वोट देने आई महिलाओं को धमकाया. यह झगड़ा जल्द ही गरमागरम बहस में बदल गया, जिसके बाद दोनों ग्रुप में धक्का-मुक्की हुई, जिसके बाद पुलिस ने बीच-बचाव करके स्थिति को कंट्रोल में किया.एक और टकराव एख्र उम्मीदवार रमेश सोलसे के समर्थकों के बीच हुआ, पुलिस ने पूरी स्थिति पर नजर रखी और शांति से चुनाव निपटाया.

विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

विदर्भ स्वाभिमान
आजादी का अमृत महोत्सव
आचार-विचार वाला अखबार

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश में तेजी से लोकप्रिय हो रहे राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है. मेहनती ही संपर्क करें.

- संपर्क -

विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय
छाया कॉलोनी,अकोली रोड, अमरावती.
मो. 9423426199, 8855019189

भुसावल रेलवे मंडल के पीआरओ जीवन चौधरी हैं समर्पित अधिकारी

विदर्भ स्वाभिमान, 10 दिसंबर

अमरावती-रेलवे विभाग में भुसावल मंडल यानी मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी के रूप में जीवन चौधरी जितने समर्पित अधिकारी हैं, उतने ही सहयोग की भावना तथा सदा सकारात्मक सोच रखने वाले अधिकारी है. आमतौर पर जनसंपर्क अधिकारी का पद कम महत्वपूर्ण नहीं रहता है. रेलवे की जनता से जुड़ी समस्याओं को बताने से लेकर मीडिया के सबसे अधिक बुद्धिजीवियों को संतुष्ट रखने कीजिम्मेदारी उन्हें निभानी पड़ती है. लेकिन उनके स्वभाव और विनम्रता के कारण बेहतरीन अधिकारी के रूप में निभाते हैं. पत्रकारों की रेलवे से जुड़ी दिक्कतों का जहां निराकरण करते हैं, वहीं दूसरी रेलवे जैसे विशाल और जटिल तंत्र को सुचारू रूप से चलाने के पीछे जिन हाथों की सबसे बड़ी भूमिका होती है, वे हैं कर्मठ, जिम्मेदार और समर्पित रेलवे अधिकारी. नाम के मुताबिक ही जीवन चौधरी का प्रयास न केवल सहयोग का रहता है बल्कि सभी का संतोष करने का प्रयास करते हैं. वे जहां कर्तव्यनिष्ठ और अनुशासित अधिकारी हैं, वहीं उनका विनम्र स्वभाव

किसी को भी प्रभावित करता है. नियमों के अधीन रहकर काम करते समय भी संबंधितों क़ो संतुष्ट करने का दिलीभाव रहता है. यही कारण है कि उनके चहेते भी रेलवे के साथ ही मित्र परिवार में भी हैं. रेलवे अधिकारी समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं.रेलवे से जुड़ी जानकारी जहां देते हैं, वहीं कई बार यात्रियों की समस्या का अपने स्तर पर समाधान करने का प्रयास करते हैं. रेलवे में किसी भी क्षण अप्रत्याशित स्थितियाँ उत्पन्न होने के बाद सटीक जानकारी देकर लोगों को जानकारी पहुंचाने का प्रयास करते हैं. वरिष्ठों के निर्देश का पालन तथा अधीनस्थों के साथ बेहतरीन समन्वय स्थापित करने वाले अधिकारी के रूप में वे पहचाने जाते हैं. पत्रकारों के भी वे पसंदीदा अधिकारी उन्हें कहना गलत नहीं होगा. कर्मठ और समर्पित रेलवे अधिकारी के रूप में वे एक नौकरी नहीं करते, बल्कि देश की आर्थिक गति, जनता की यात्रा और सुरक्षा की जिम्मेदारी को अपने कंधों पर उठाते हैं. उनका कार्यदक्षता, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता उन्हें समाज के लिए प्रेरणा का आदर्श बनाती है, जीवन चौधरी को उत्तरोत्तर प्रगति की हार्दिक शुभकामनाएं.

स्वामी राजेश्वर माऊली सरकार जन्मोत्सव व श्री रुक्मिणी महोत्सव आरंभ

विदर्भ स्वाभिमान, 10 दिसंबर

अमरावती-जिले की तिवसा तहसील के श्री रुक्मिणी पीठ कौंडण्यपुर में स्वामी राजेश्वर माऊली सरकार जन्मोत्सव व श्री रुक्मिणी महोत्सव 9 से 12 दिसंबर तक आयोजित किया गया है। इसकी शुरुवात 9 दिसंबर को रात्रि 7.30 से 9.30 बजे तक लक्ष्मण महाराज के कीर्तन से हुआ। बुधवार 10 दिसंबर को रात्रि 7.30 बजे से 9.30 बजे तक बाल कीर्तनकार भूमिका तिरमारे मुर्तिजापुर तरोडा के कीर्तन का आयोजन किया गया है। धार्मिक के साथ ही इस दौरान सामाजिक उपक्रमों के तहत गुरुवार 11 दिसंबर को सुबह 11 से 4 बजे तक रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य चिकित्सा, स्वास्थ्य चिकित्सा, नेत्र चिकित्सा तथा चष्मे वितरण का कार्यक्रम रखा गया है।

दोपहर 1 बजे विद्यारंभ संस्कार, शाम 7.30 बजे मां वशिष्टा गंगा महाआरती होगी, इसमें भारी संख्या में भक्त सहभागी होंगे। रात्रि रविन्द्र महाराज वानखेडे का कीर्तन, रात्रि 11 से 12 बजे तक जीतेन्द्र पाखरे के भक्तिसंगीत गायन के बाद रात्रि 12 बजे जगतगुरू श्री राजेश्वरमाऊली सरकार जन्म आनंदोत्सव मनाया जाएगा। शुक्रवार 12 दिसंबर को सुबह 8.30 बजे श्री रुक्मिणी माता रथयात्रा, 10.30 बजे गोपाल काला कीर्तन सोनू महाराज कुरहा का गोपाल काला कीर्तन होगा। दोपहर 12 बजे जगतगुरू श्री राजेश्वरमाऊली सरकार आशिर्वचन व सांस्कृतिक महोत्सव पश्चात दोपहर 1 बजे से महाप्रसाद रखा गया है। भक्तों से इसमें सहभागी होने तथा पुण्यलाभ प्राप्त करने का आग्रह आयोजन समिति तथा भक्त परिवार ने किया है.भक्तों में माऊली सरकार जन्मोत्सव को लेकर अपार उत्साह व्याप्त है.

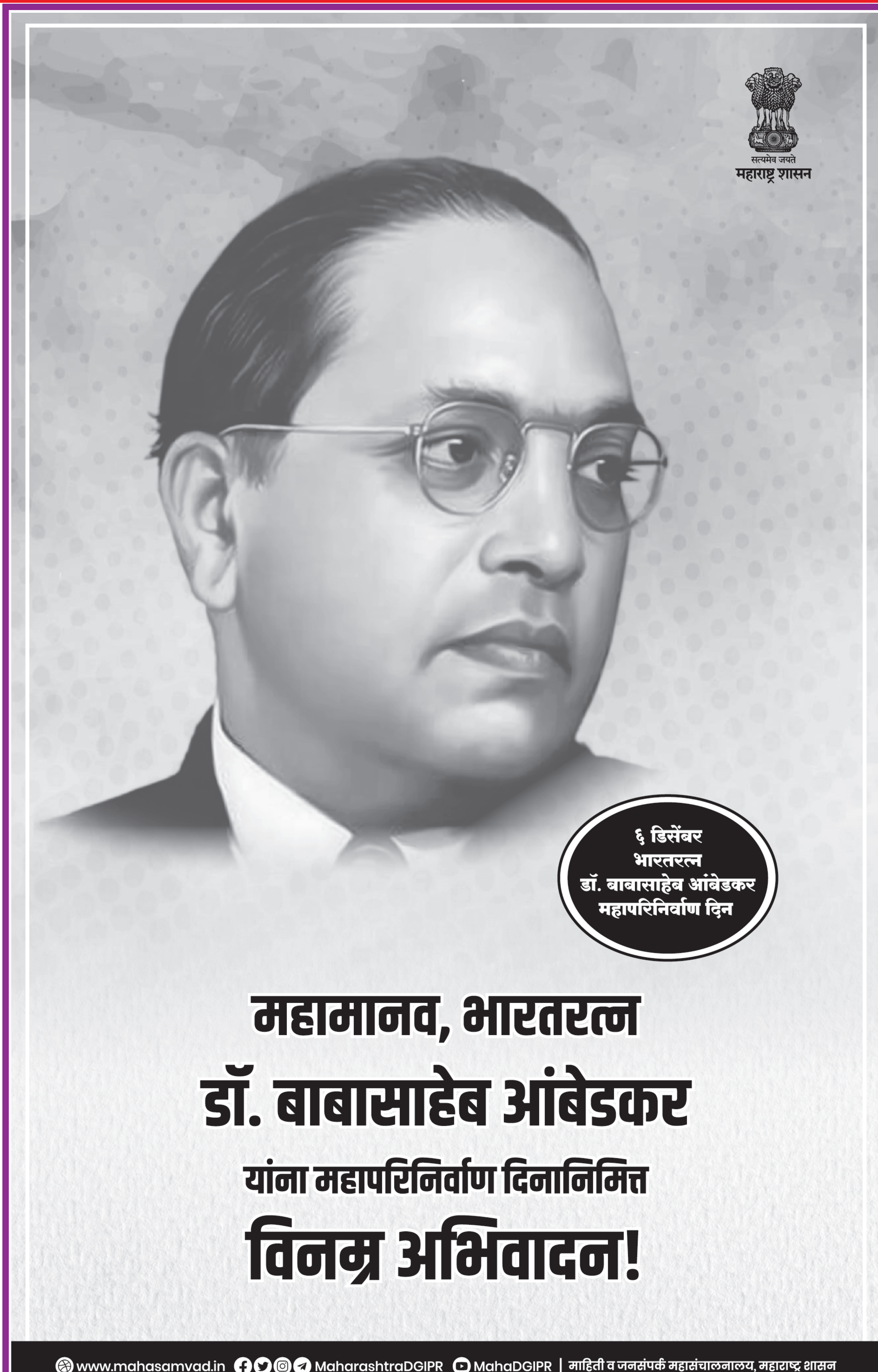

चिखलदरा में आएंगे विश्वभर से पर्यटक,झूलने लगा स्काई वॉक

आर्थिक प्रगति में होगा महत्वपूर्ण साबित,मार्च 2026 तक शुरू होने के संकेत

विदर्भ स्वाभिमान, 10 दिसंबर

अमरावती- जिले ही नहीं तो विदर्भ की शान के रूप में सुख्यात चिखलदरा की प्रगति शीघ्र ही गति पकड़ने वाली है. विश्वस्तरीय स्काई वॉक का काम तेज हो गया है. इसके चलते यह अगले साल तक शुरू होने की संभावना जताई जा रही है. यह शुरू होने के बाद न केवल व्यवसायियों बल्कि स्थानीय आर्थिक मजबूती को भी तेजी प्रदान करने में महत्वपूर्ण साबित होने वाला है. चिखलदरा के बहुप्रतीक्षित स्काई वॉक प्रोजेक्ट ने आखिरकार आकार लेना शुरू कर दिया है. ऊँचाई पर बसाए जा रहे इस अनोखे स्काई वॉक के ट्रायल इंस्टॉलेशन के दौरान इसकी संरचना हवा में झूलती दिखाई दी, जिसके बाद क्षेत्र में उत्सुकता और भी बढ़ गई.

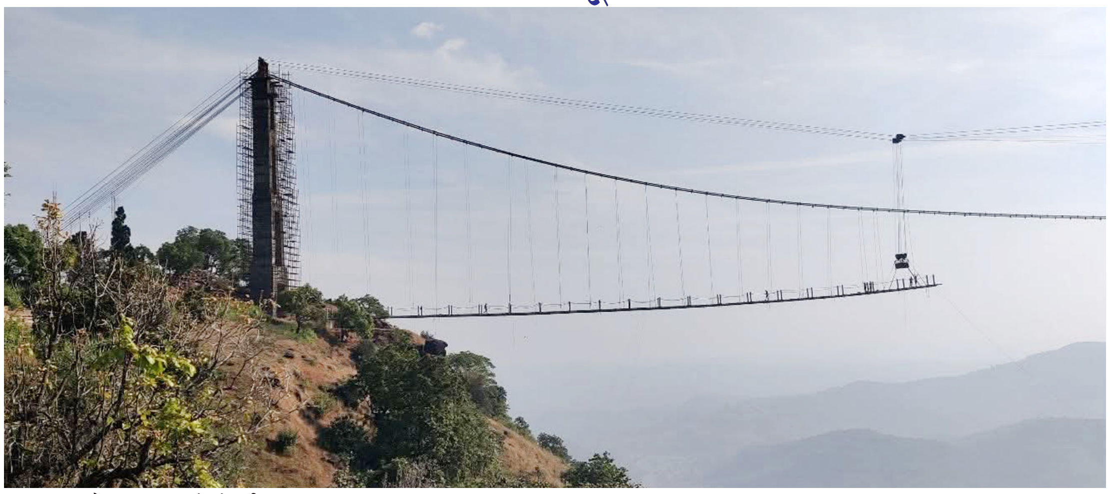

पर्यटन विभाग के अनुसार निर्माण कार्य तेज़ी से आगे बढ़ रहा है और मार्च 2026 तक स्काई वॉक जनता के लिए खुलने की पूरी संभावना है.

स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ पर्यटन व्यवसाय से जुड़े होटल संचालकों, गाइड्स और दुकानदारों में भी जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है. सभी का मानना है कि यह प्रोजेक्ट चिखलदरा के पर्यटन को नई दिशा देगा और आने वाले सीज़न में पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी.

चिखलदरा विदर्भ का एकमात्र हिल स्टेशन है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, ठंडी जलवायु और वन्यजीवन के लिए प्रसिद्ध है. अगर इसका सही तरीके से विकास किया गया होता तो विश्वस्तरीय पर्यटन के रूप में विकसित होता था. लेकिन अमरावती जिले का दुर्भाग्य है. स्काईवाक का काम ही कितने दिक्कतों से आगे बढ़ रहा है. कभी वन विभाग रोड़ा बनता है तो कभी नेताओं का आपसी अहंकार विकास का दुश्मन बन जाता है. सच्चाई तो यह है कि प्राकृतिक सुंदरता ने इसे स्वर्ग सा बनाया है. समुद्र तल से लगभग 1,188 मीटर की ऊँचाई पर स्थित होने के कारण यहाँ पूरे वर्ष ठंडक और ताज़गी भरा मौसम रहता है.गर्मियों में भी तापमान कम रहता है, इसलिए यह परफेक्ट समर डेस्टिनेशन है.हरिकेन पॉइंट, पंचबोला पॉइंट, देवी पॉइंट, बावन ठंडी, प्रेक्षक बिंदु यहाँ से घाटियों, जंगलों और बादलों के अद्भुत नज़ारे दिखाई देते हैं.बारिश और सर्दियों में तो बादलों के बीच से घाटियाँ स्वर्ग जैसी दिखती हैं.चिखलदरा मेलघाट टाइगर रिज़र्व के पास है, इसलिए यहाँ वन्यजीवन की झलक मिलती है.प्रकृति ने भरपूर दिया है लेकिन विजन अभाव में जितना विकसित होना चाहिए था नहीं हो पाया है. बाघ, गौर, सांभर, चीतल, जंगली सूअर और कई पक्षी प्रजातियाँ देखने को मिलती हैं.मानसून में चिखलदरा कई खूबसूरत झरनों से सज जाता है खामला, कालापानी, बकझरना आदि.माना जाता है कि महाभारतकाल में भीम ने केचक का वध इसी क्षेत्र में किया था, जिससे इसका नाम चिखल-केचक-दरा पड़ा.गविलगढ़ किला इस क्षेत्र का गौरव है एक विशाल, प्राचीन और मजबूत किला जो अब भी इतिहास का साक्षी है. कुल मिलाकर स्काईवाक क्षेत्र की दशा और दिशा बदलेगा.

गुरूवार 11 दिसंबर से 17 दिसंबर 2025 तक का भविष्य

मेष-कैरियर / आर्थिक स्थितिः इस सप्ताह मेहनत रंग लाएगी. कामकाज में नए प्रोजेक्ट या प्रमोशन के अवसर मिल सकते हैं. लेकिन खर्चों पर काबू रखना ज़रूरी है. स्वास्थ्यः शुरुआत में थकावट महसूस हो सकती है, थोड़ी सी नींद पूरी करें. रिश्ते / परिवारः रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी; पारिवारिक सहयोग मिलेगा. लेकिन समय पर संवाद करना ज़रूरी है. सलाहः बड़े फैसले लेने से पहले सब पक्षों पर विचार करें. जल्दबाज़ी न करें.

वृषभ-कैरियर / आर्थिक स्थितिः यह सप्ताह स्थिरता वाला रहेगा. वरिष्ठों का समर्थन मिलेगा. आर्थिक मामूले ठीक रहेंगे, पर निवेश या बड़े खर्च करने से बचना श्रेयस्कर है. स्वास्थ्यः सामान्य रहेगा, लेकिन तनाव या भूख-पीक की अनियमितता से बचें. रिश्ते / प्यारः घर और परिवार में शांति बनी रहेगी, पर शब्दों का चयन सोच-समझ कर करें. सलाहः खर्चों का हिसाब रखें; जितना हो सके बचत की कोशिश करें.

मिथुन-कैरियर / आर्थिक स्थितिः धन आगमन के योग हैं. कुछ सौदे वप्रस्ताव मिलेंगे, परन्त जोखिम भरे प्रस्तावों से सावधानी बरतें. स्वास्थ्यः सामान्य रहेगा. बीच-बीच में एक्टिव रहें.रिश्ते / प्यारः पार्टनर के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं; संवाद से स्थिति ठीक होगी. सलाहः किसी नए अवसर की घोषणा लेने से पहले पूरी जानकारी जुटाएँ; निवेश करें तो भरोसेमंद सलाह साथ लें.

कर्क-कैरियर / आर्थिक स्थितिः पराने अधूरे काम पूरे होने की संभावना; आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे सधरेगी. लेकिन अचानक खर्च हो सकते हैं. स्वास्थ्यः मौसम और खान-पान का ध्यान रखें; पाचन संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं. रिश्ते / प्यारः पारिवारिक भूमिका बढ़ेगी; दोस्तों-परिवार से समय बिताना अच्छा रहेगा. सलाहः प्रदत्त जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दें; व्यर्थ विवादों से बचें.

सिंह-कैरियर / आर्थिक स्थितिः आत्मविश्वास बढ़ेगा; नए प्रोजेक्ट्स या विस्तार के अवसर मिल सकते हैं. अधिकारी आपकी क्षमताओं को देखेंगे. स्वास्थ्यः काम-थकावट हो सकती है; पर्याप्त आराम और नींद आवश्यक. रिश्ते / प्यारः घर में सम्मान और सहयोग मिलेगा. साथी से अच्छे संवाद होंगे. सलाहः अपनी ऊर्जा को संतुलित करें; काम और निजी जीवन में संतुलन स्थापित करना ज़रूरी होगा.

कन्या-कैरियर / आर्थिक स्थितिः भाग्योदय की संभावना है. मेहनत का फल मिलेगा, महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे. आर्थिक स्थिति सुधर सकती है. स्वास्थ्यः स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. लेकिन नियमित व्यायाम और संतुलित आहार जरूरी है. रिश्ते / प्यारः रिश्तों में मधुरता रहेगी; पारिवारिक आनंद प्राप्त होगा. मित्रों या बुजुर्गों से सहायता मिल सकती है. सलाहः सकारात्मक सोच रखें; किसी नई शुरुआत के लिए यह समय उपयुक्त है.

तुला-कैरियर / आर्थिक स्थितिः ऊर्जा व संकल्पशक्ति बढ़ेगी; नए अवसरों की ओर कदम हो सकते हैं. परंतु जल्दबाजी वाले फैसले टालें. स्वास्थ्यः बीच-बीच में थकान या असमंजस हो सकता है. विश्राम करें और ध्यान रखें. रिश्ते / प्यारः रिश्तों में भरोसा बढ़ेगा; पुराने झगड़े सलझ सकते हैं. साथी का सहयोग मिलेगा. सलाहः वाणी में सौम्यता रखें, दूसरों की बातों को ध्यान से सुनें; भावनात्मक संतुलन महत्वपूर्ण होगा.

वृश्चिक-कैरियर / आर्थिक स्थितिः मेहनत का परिणाम मिलेगा. घरेलू जीवन और करियर के बीच संतुलन बनाए रखना होगा.स्वास्थ्यः मानसिक शांति की ज़रूरत है; ध्यान मेडिटेशन लाभ दे सकता है. रिश्ते / प्यारः रिश्तों में भावनाएँ गहरी होंगी. परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती है. सलाहः विश्लेषण करने से बचें, अहंकार या झूठे रुख से दूरी बनाएं.

धनु-कैरियर / आर्थिक स्थितिः रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे; यात्रा या नए कौशल सीखने के मौके मिलेंगे. स्वास्थ्यः हल्की-फुल्की परेशानी हो सकती है; आराम पर ध्यान दें. रिश्ते/ प्यारः साथी के साथ कुछ तनाव हो सकता है; समझदारी से बातचीत लाभदायक होगी. सलाहः अपनी योजनाओं और प्राथमिकताओं को साफ़ रखें; जल्दबाज़ी में फैसले न करें.

मकर-कैरियर / आर्थिक स्थितिः करियर में उन्नति के अवसर, नए ऑफर या जिम्मेदारियाँ मिल सकती हैं. पर खर्चों पर नियंत्रण रखें.स्वास्थ्यः नींद और आराम पर विशेष ध्यान दें. काम के दबाव से दूरी बनाए रखें. रिश्ते / प्यारः पुराने मित्र या रिश्तेदार से मिलना संभव है, इससे मन प्रसन्न होगा. घर-परिवार में सहयोग बढ़ेगा. सलाहः जोखिम लेने से पहले पूरी तैयारी करें; संतुलित दृष्टिकोण लाभदायी रहेगा.

कुंभ-कैरियर / आर्थिक स्थितिः पढ़ाई, इंटरव्यू, कोर्सेज़ आदि में सफलता की गुंजाइश है. बातचीत या प्रस्ताव लाभदायक हो सकते हैं. स्वास्थ्यः सामान्य रहेगा; पर मनोवैज्ञानिक तनाव से बचने के लिए ध्यानम-योग कर सकते हैं. रिश्ते / प्यारः पारिवारिक माहौल शांत रहेगा. साथी या मित्रों से अच्छे समय बीतेगा. सलाहः कागजी कामों, अनुबंधों आदि का दस्तावेज़ अच्छी तरह देखें; भरोसा योग्य लोगों से सलाह लें.

मीन-कैरियर / आर्थिक स्थितिः नए स्रोत से आय हो सकती है, या किसी मदद से लाभ मिलेगा. लेकिन अनियोजित खर्च होंगे, बैलेंस आवश्यक है. स्वास्थ्यः स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, पर जितना संभव हो तनाव को नियंत्रित करें. रिश्ते / प्यारः परिवार और दोस्त-रिश्तों में सुकून रहेगा; सामाजिक गतिविधियों में आनंद मिलेगा. सलाहः दिल की सुनें लेकिन पैरों को जमीन पर रखें; योजनाओं को ठोस बनाएं.मेहनत से सफलता निश्चित मिलेगी.

ज़य गोविंदा,जय गोविंदा,जय गोविंदा

बहिरम यात्रा का शुभारंभ 21, लाखों भक्त होंगे शामिल

विदर्भ की सबसे बड़ी यात्रा, लाखों का राजस्व मिलता है जिप को,कई राज्यों से आते हैं भाविक

विदर्भ स्वाभिमान,10 दिसंबर

अमरावती- जिले ही नहीं तो आसपास के कई राज्यों के लाखों भक्त इसमें शामिल होते हैं. इसको लेकर प्लाट की हर्रासी सोमवार से आरंभ हो गया है. धीरे-धीरे व्यवसायियों का आना और इसके बाद यहां पार्किंग व्यवस्था के साथ ही अन्य व्यवस्थाएं शुरू हो रही हैं. सैकड़ों लोगों को रोजगार, हजारों लोगों को खुशियां देने के साथ ही सबसे अधिक समय तक चलने वाली यात्रा के रूप में सुख्यात बहिरम यात्रा की तैयारियां शुरू हो गई हैं. विदर्भ में प्रसिद्ध ऋणमोचन और बहिरम की यात्राएँ इस वर्ष भी 20 दिसंबर से शुरू होने जा रही हैं. विशेष बात यह है कि बहिरम की यात्रा को लोकसंस्कृति में एक अलग ही महत्व प्राप्त है. यह यात्रा डेढ़ महीने तक चलती है और यह परंपरा कई शताब्दियों से लगातार जारी है. कुछ मान्यताओं के अनुसार यह यात्रा हजारों वर्षों से आयोजित हो रही है.

यात्राएँ प्रत्येक क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा होती हैं. हर क्षेत्र की यात्रा का स्वरूप, महत्व और परंपरा अलग होती है, लेकिन भक्तिभाव हर जगह समान रहता है. हर यात्रा में मनोरंजन, मिठाई, खिलौनों की दुकानें, झूले, पालने आदि आकर्षण का केंद्र होते हैं; फिर भी प्रत्येक यात्रा का अपना विशेष महत्व होता है. जिस प्रकार पश्चिम महाराष्ट्र में खंडोबा के उत्सव में भंडारे की व्यवस्था है,मांढरदेव की कालूबाई यात्रा का अलग स्थान है, उसी प्रकार विदर्भ में ऋणमोचन और बहिरम की यात्राएँ विशेष प्रसिद्ध हैं.बहिरम की यात्रा लगभग 350 वर्षों से अधिक समय से लग रही है. कुछ मानते हैं कि यह हजारों वर्षों से चल रही है. सातपुड़ा की गोद में स्थित

बहिरम बुवा एक लोकदैवत माने जाते हैं-एक पौराणिक कथा के अनुसार शंकर और पार्वती भ्रमण करते हुए एक बार इस स्थान पर रुके थे. पार्वती को यह स्थान अत्यंत प्रिय लगा और उन्होंने हर वर्ष यहां आने का आग्रह किया. तब शंकर ने अपना एक अंश यहीं स्थापित करने का आश्वासन दिया. इसी कारण यह स्थान भैरवाचे ठिकाण कहलाया जो आगे चलकर बहिरम नाम से प्रसिद्ध हुआ. कहा जाता है कि शिव पार्वती ने यहां तीन दिनों का प्रवास किया था. उनके स्नान हेतु काशी का पवित्र जल यहां प्रकट हुआ, जिसे आज काशीतलाव

कहा जाता है.यहां का बर्तन तालाब भी प्रसिद्ध रहा है, जहां से पहले भांडी कुंडी (बर्तन) निकलते थे, जिन्हें वापस करना अनिवार्य था. कुछ लोगों द्वारा बर्तन चुराए जाने के कारण यह चमत्कार बंद हो गया, ऐसी मान्यता है. विश्वामित्र और कपिल ऋषि ने भी यहां तपस्या की थी, ऐसा कहा जाता है.

बहिरम मंदिर परिसर-बहिरम बुवा का मंदिर लगभग 125 फ़ीट ऊँचाई पर स्थित है. पास में 8 10 फ़ीट ऊँची सुंदर गणेश की प्रतिमा है, मंदिर के बाहर पत्थर का नंदी है. संपूर्ण मंदिर परिसर 2 2.5 एकड़ क्षेत्र में फैला है, जबकि यात्रा का मैदान लगभग 100 एकड़ में लगता है.बहिरम की मूर्ति आज भव्य रूप में दिखाई देती है, परंतु मूल रूप सुपारी जितनी छोटी थी जिस पर शेंदूर, लोणी, दूध, तूप अर्पित किए जाते थे. यही सब मिलकर समय के साथ बड़ी मूर्ति का आकार बना ऐसी मान्यता है.

यात्रा की परंपरा और स्वरूप-पूर्व में नागदिवाली से यात्रा शुरू होती थी, पर अब सरकारी आदेशानुसार 20 दिसंबर से 31 जनवरी तक आयोजित की जाती है.श्रावण सोमवार को बड़ी संख्या में महिलाएं विशेष पूजा के लिए आती हैं.गुड़, फुटाणे, रेवडियाँ,यहाँ के प्रमुख प्रसाद हैं.मनौती पूर्ण करने हजारों भक्त दूर-दूर से आते हैं.कभी यहां सरदार अपनी शक्ति का प्रदर्शन करते थे. घोड़े, सैनिक, बड़ी राहुट्याएँ और भव्य भोजन-व्यवस्था होती थी. मिट्टी के बर्तनों में बना मांसाहारी भोजन मुख्य आकर्षण होता था. अनेक जगहों से व्यापारी भी अपनी वस्तुएँ बेचने आते थे,बैलगाड़ियाँ, दमणी, औज़ार, माटी के बर्तन आदि.समय के साथ तमाशे बंद हुए और अब यहां लोककला, किसान जागरूकता और कृषि विषयक कार्यक्रम आयोजित होते हैं. अमरावती जिला परिषद की ओर से कृषि प्रदर्शनी भी लगाई जाती है.

यात्रा के दौरान किसी भी रविवार को 1 2 लाख तक भक्तों की भीड़ होना सामान्य बात है. शहरी क्षेत्र के लोग भी परिवार सहित तंबुओं में ठहरकर ग्रामीण संस्कृति का आनंद लेते हैं, स्थानीय भोजन का स्वाद लेते हैं और बच्चों को परंपरा का अनुभव करवाते हैं.31 जनवरी को बहिरम यात्रा समाप्त होती है. लोग अपने तंबू, राहुटियाँ समेटते हैं और अगले वर्ष फिर आने का वादा कर वापस लौटते हैं.

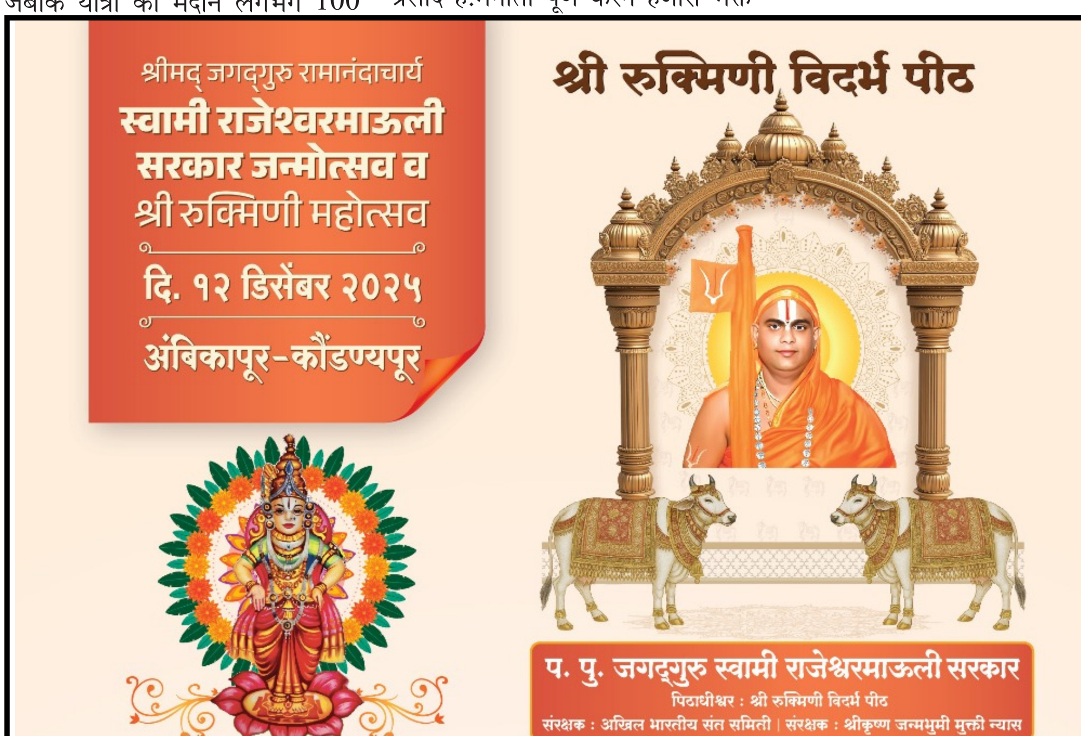

असंख्य भक्तों को श्रद्धास्थान और जीवन में प्रेरणादायी परिवर्तन लाने वाले प.पु.जगदगुरू स्वामी राजेश्वरमाऊली सरकार को जन्मोत्सव तथा मां रूक्मिणी महोत्सव में पधारने वाले सभी भक्तों का अंबिकापुर-कौंडण्यपुर में हार्दिक स्वागत. गुरूवर्य के चरणों में नमन और प्रभु चरणों में कामना करते हैं कि माऊली सरकार की जनसेवा की सभी मनोकामनाएँ पूरी हों, वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और धार्मिक तथा सामाजिक कार्य इसी तरह निरंतर जारी रहे, प्रभु का आशिर्वाद उन्हें सदा मिलता रहे.

शुभेच्छुक-रूक्मिणी वल्लभ झुनका भाकर केन्द्र, सरोज चौक.

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क

9423426199/8855019189

खुले में नाश्ता स्वास्थ्य के लिए है खतरनाक

विदर्भ स्वाभिमान, 10 दिसंबर

अमरावती- शहर के साथ ही जिले के विभिन्न तहसीलों में अन्न औषधि प्रशासन की लापरवाही के कारण शहर के साथ ही पूरे जिले में खुले में नाश्ते के कारण बीमारियां लोगों को त्रस्त कर रही हैं. शहर में भी बड़े पैमाने पर खुले में नाश्ते का लाभ लेने भीड़ दिखाई देती है. गरीबों की गाड़िया उठाने तथा चालान देने में तत्पर विभाग मामले में शहर के ऐसे नाश्ते वालों के समक्ष क्यों हार जाता है, इसका कारण तो वही जाने. क्यों कि कई होटल तथा नाश्ते की गाड़ी के पास से लोगों । गाड़ी निकालने में म्क्कत होती है.

प्रशासन की उदासीनता और लोगों की जीभ ही स्वास्थ्य का घात कर रही है.जुड़वां शहर में खुले में खाद्य पदार्थों की बिक्री जोरों पर चल रही है और प्रशासन इस पर पूरी तरह अनदेखी करता दिखाई दे रहा है. प्रशासन की इस उदासीनता के कारण जनता के स्वास्थ्य पर गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है.

शहर में होटलों और ठेलों पर बड़े पैमाने पर खाद्य पदार्थ खुले में रखकर बेचे जा रहे हैं. शहर की घनी आबादी और बढ़ते वाहनों की संख्या के कारण सड़क पर उड़ने वाली धूल इन खाद्य पदार्थों पर जम जाती है. इसके अलावा ऐसे खुले खाद्य पदार्थों पर मक्खियाँ भी बैठती हुई दिखाई देती हैं. यही नाश्ता करते हुए लोग अपने ही स्वास्थ्य के दुश्मन बन गए हैं.

धूल और मक्खियों के संपर्क में आने से ये खाद्य पदार्थ दूषित हो जाते हैं और यही दूषित खाना लोगों के पेट में जा रहा है, जिससे बीमारियों में भारी बढ़ोतरी हुई है. साथ ही खाना बनाने में इस्तेमाल होने वाला तेल भी घटिया दर्जे का होता है, जिसकी शुद्धता की कोई गारंटी नहीं होती. प्लेटें, चम्मच, गिलास और कप केवल गंदे पीले पानी में हिलाकर धो दिए जाते हैं. होटलों में पीने के लिए दिया जाने वाला पानी भी अशुद्ध रहता है. इन सभी कारणों से नागरिकों के स्वास्थ्य को गंभीर हानि पहुँच रही है. खाद्य पदार्थ बेचने के लिए अन्न और औषधि प्रशासन विभाग ने कुछ नियम तय किए हैं. इसके अनुसार किसी को भी आम लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने का अधिकार नहीं है. लेकिन अन्न और औषधि प्रशासन विभाग केवल कागजी कार्रवाई कर जनता और सरकार दोनों को भ्रमित कर रहा है. इसलिए वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की जा रही है कि संबंधित अधिकारियों की कड़ी जवाबदेही तय की जाए.इस तरह की स्थिति पर नजर रखने की जिम्मेदारी अन्न एवं औषधि प्रशासन की होती है, लेकिन यह विभाग उदासीन रहने का आरोप लोगों द्वारा लगाया जा रहा है. एफडीए सरकारी नियामक प्राधिकरण है, जो खाद्य पदार्थों, औषधियों, सौंदर्य प्रसाधनों और चिकित्सकीय उपकरणों की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावशीलता सुनिश्चित करता है. यह उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए खाद्य मिलावट की रोकथाम तथा संबंधित कानूनों के पालन पर विशेष ध्यान देता है. अन्न और औषधि प्रशासन महाराष्ट्र सरकार के चिकित्सा शिक्षा एवं औषधि विभाग के अंतर्गत कार्यरत है.

भाजपा को देंगे मिलकर टक्कर

मुंबई-सत्तारूढ़ महायति के घटक दल भाजपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के बीच कई दिनों तक चली खींचतान के बाद दोनों दलों ने मुंबई और ठाणे सहित महाराष्ट्र में महानगर पालिकाओं का चुनाव गठबंधन के रूप में लड़ने का फैसला किया है. यह दावा शिवसेना सूत्रों ने किया है.सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उप मुख्यमंत्री शिंदे ने सोमवार देर रात हुई बैठक में फैसला किया कि सत्तारूढ़ दल मौजूदा महायति गठबंधन के सदस्य के रूप में ये चुनाव लड़ेंगे. महानगर पालिका चुनावों की तारीखों की घोषणा होनी अभी बाकी है.

उन्होंने बताया कि नागपर में भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकले और रवींद्र चव्हाण की उपस्थिति में हुई बैठक में इस बात पर भी सहमति बनी कि भाजपा और शिवसेना एक-दूसरे के नेताओं व कार्यकर्ताओं को अपने पाले में नहीं लाएंगी.नागपर में राज्य विधानमंडल का शीतकालीन सत्र जारी है. शिवसेना के एक नेता ने कहा कि दोनों दलों के नेताओं के बीच मुंबई और ठाणे सहित पूरे महाराष्ट्र में महायति गठबंधन के रूप में मिलकर नगरपालिका चुनाव लड़ने को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई.एक अन्य नेताने बताया कि अगले दो-तीन दिनों में स्थानीय स्तर पर सीट बंटवारे को लेकर चर्चा शुरू हो जाएगी.सत्र के दौरान विभिन्न मुद्दे उठाए जाएंगे.

भक्तों में विश्वास, ज़ागृत है गड़गड़ेश्वर महादेव मंदिर

भगवान भोलेनाथ को देवों में महादेव कहा जाता है. वे जहां भोले हैं, वहीं दूसरी ओर अल्प भक्ति में प्रसन्न होने वाले देव हैं. अमरावती शहर में प्राचीन और जागृत मंदिरों में पौराणिक महत्व रखने वाला गड़गड़ेश्वर मंदिर भक्तों की कामनाओं को पूरा करता है. मंदिर में जहां अपार शांति और सुकून का अनुभव भक्त करते हैं, वहीं दूसरी ओर हजारों ऐसे भक्त हैं, जो इस मंदिर से कई वर्षों से जुड़े हुए हैं. भक्तों की मनोकामनाओं को जहां गड़गड़ेश्वर महादेव पूरी करते हैं, वहीं दूसरी ओर शहर ही नहीं तो गड़गड़ेश्वर मंदिर की ख्याति समूचे विदर्भ में जागृत देवस्थान के रूप में है.

यहां गड़गड़ेश्वर महादेव का श्रृंगार करने वाले युवाओं, महिलाओं की टीम सचमुच भाग्यशाली है. वे भोलेनाथ की सेवा में लगे रहते हैं. संस्थान के अध्यक्ष के साथ ही जहां सभी स्वयंसेवक भोलेनाथ की सेवा करते हैं, वहीं इस मंदिर में होने वाले महादेव की आरती मन को प्रसन्न करती है. भक्तों के मुताबिक सदैव दर्शन और आने वाले भक्तों को जीवन में कई चमत्कारी परिणाम दिखाई देते हैं. कई बताते हैं कि दुःखों के पल में जब कोई नहीं रहता है, तब भोलेनाथ रहते हैं. श्रद्धा और अंधश्रद्धा के अंतर को समझने वाले भक्त यहां जहां आते हैं, वहीं स्वयं मानते हैं कि कर्म अगर अच्छा है, सत्य के मार्ग पर चल रहे हैं तो शिव के दर्शन होना निश्चित है. लाखों भक्तों के आस्थास्थल अकोली रोड स्थिति गड़गड़ेश्वर महादेव मंदिर में रोज हजारों की संख्या में भाविक पहुंचते हैं. यहां प्रवीण बुंदेले सहित हजारों भक्त गड़गड़ेश्वर महादेव की सेवा में पूरी तरह से तत्पर रहते हैं.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी.

शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य

1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450

श्री बालाजी कॅटरर्स

आमचे येथे लग्न, वाढदिवस, वास्तु व शुभ कार्यप्रसंगी स्वादिष्ट भोजनाचे ऑर्डर स्विकारल्या जाईल.

भट्टवाडी, गोपाल नगर, अमरावती.

द्वारका महाराज व्यास मो.८२०८०३६१६७

अर्जुन व्यास - मो. ९९७५२७७१९९